सुन लो जिनवाणी | By Sunil Sarvottam

सुनलो जिनवाणी, महावीर बोलते।
सुनलो जिनवाणी, वर्धमान बोलते।

महावीर बोलते, वर्धमान बोलते।
महावीर बोलते, वर्धमान बोलते।
जनकल्याण की जिनवाणी बोलते।
जनकल्याण की जिनवाणी बोलते।
सुनलो जिनवाणी, महावीर बोलते।
सुनलो जिनवाणी, वर्धमान बोलते।

हिंसा, चोरी, झूठ बोलना, मत करना तुम ऐसे काम।
मत करना तुम ऐसे काम।
सत्य बोलना, दया दिखाना, यह सब है मुक्ति के धाम।
यह सब है मुक्ति के धाम।
नेक राहें चुन लो, ज्ञान चक्षु खोल के।
जनकल्याण की जिनवाणी बोलते।
सुनलो जिनवाणी, महावीर बोलते।
सुनलो जिनवाणी, वर्धमान बोलते।

त्रिरत्नों की महिमा प्यारी, कट जाते हैं संकट भारी।
कट जाते हैं संकट भारी।
वही विजेता कहलाते हैं, जिसने अपनी इच्छा मारी।
जिसने अपनी इच्छा मारी।
जीते-जी स्वर्ग के वो द्वारे खोलते।
जनकल्याण की जिनवाणी बोलते।
सुनलो जिनवाणी, महावीर बोलते।
सुनलो जिनवाणी, वर्धमान बोलते।

महावीर बोलते, वर्धमान बोलते।
महावीर बोलते, वर्धमान बोलते।
जनकल्याण की जिनवाणी बोलते।
जनकल्याण की जिनवाणी बोलते।
सुनलो जिनवाणी, महावीर बोलते।
सुनलो जिनवाणी, वर्धमान बोलते।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8-%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a3%e0%a5%80-by-sunil-sarvottam/